



DR. ARUNODAY MONDAL

Dr. Arunoday Mondal, son of the soil of Sundarbans, widely known for his continuous medical service to the downtrodden people of Sundarbans made an establishment known as `Sujan', a good friend of society, a charitable health unit at Roy Para, Sahebkhali, Hingalganj, in the district of North 24 Parganas and in the remote area of Sundarbans in West Bengal.

2. Born on 1st February, 1953, received his school education at Charalkhali Shiksha Bhatnn there and after that received his medical graduation from Calcutta National Medical College under University of Calcutta in 1979. Following his graduation he started working in Dr. B. C. Roy Memorial Hospital for children in Ful Bagan, Calcutta. In 1980, he quit his job and started private practice at Birati Health Clinic, M. B. Road, Kolkata both morning and evening.

3. Dr. Mondal during his medical practice had been associated with so many NGOs to take part in different medical camps and charitable work. He then realised that such discrete medical camps do not provide any permanent relief to the ailing persons. To provide permanent medical relief to the poor people, one should provide regular medical treatment with awareness programs from a permanent medical centre. Assuming this, he purchased a piece of land and constructed two storied building from his hard earnings and started his dream project `Sujan' in 27th August, 2006, though he started his work since 2000 at his ancestral house at Charal Khali, presently known as Chandanpur. Since then he used to provide free medical treatment with all sorts of medicines, along with awareness programs at regular intervals. Regular Blood Donation Camps, Cancer detection and prevention camps, Diabetic and Hypertensive Check up Camps, Gynaecological Check up Camps, Regular Immunisation etc. are arranged at regular intervals. A well equipped Physiotherapy Centre by an eminent Physiotherapist is run regularly for the paralytic patients.

4. 'Kolahar' is a new endeavour of 'Sujan' as a free school from class I to VIII since 2012 following principles of model school for the backward community. Financial help and free books are given to the poor and meritorious students to run their future studies smoothly.

5. 'Sujan' has registered its revolutionary step forward on 15th August 2014 by extending its free medical service for residents of 'Antyodoy Anath Ashram - Orphanage' at the village named Paushi in East Midnapore. It also extends medical service at a very nominal cost for the extremely poor fishermen and local residents at Mandarmoni, East Midnapore.

6. In the year 2014 Dr. Mondal was awarded by 'Anandamath', Birati as 'Srestho Manabsebi Samman' (Best Human Service Award). In 2015 Ebela Newspaper (Anandabazar Patrika Group) and LIC jointly gave him 'Aami Aamar Moto Samman' for his immense contribution to the service of poor and ailing persons. In the same year, he was honoured by 'Ananya Samman' from Zee 24 Ghanta, a Bengali Television Channel. He also received `Manjis Sarkar Memorial Award' from Purab Foundation. Besides these he is the recipient of numerous awards and honours from different organisations.





डॉ. अरूणोदय मंडल

सुन्दरबन के माटीपुत्र, डॉ. अरुणोदय मंडल को सुन्दरबन के दबे–कुचले लोगों की लगातार चिकित्सकीय सेवा के लिए जाना जाता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले के हिंगलगंज के साहेबखाली के रॉय पारा में और सुन्दरबन के दूर–दराज के क्षेत्र में एक धर्मार्थ स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में 'सुजन' समाज का अच्छा मित्र नामक एक संस्था की स्थापना की।

2. दिनांक 1 फरवरी, 1953 को जन्मे डॉ. अरुणोदय मंडल ने चारल खाली शिक्षा भाटन से स्कूली शिक्षा प्राप्त की और उसके बाद 1979 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के तहत कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज से चिकित्सा स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक की पढ़ाई के पश्चात उन्होंने फूल बागान, कोलकाता में बच्चों के लिए डॉ. बी.सी रॉय स्मारक बाल चिकित्सालय में काम शुरू किया। उन्होंने 1980 में अपना पद छोड़ दिया और बिराटी स्वास्थ्य क्लिनिक, एम बी रोड, कोलकाता में सुबह और शाम दोनों समय निजी प्रैक्टिस शुरू की।

3. डॉ. मंडल अपने चिकित्सकीय पेशे में विभिन्न चिकित्सा कैम्पों और धर्मार्थ कार्यों में भाग लेते हुए कई गैर–सरकारी संगठनों से जुड़े रहे। तब उन्हें यह अनुभव हुआ कि ऐसे अलग–अलग चिकित्सा कैम्प बीमार लोगों को कोई स्थायी राहत नहीं देते हैं। गरीब लोगों को स्थायी चिकित्सा राहत देने के लिए, व्यक्ति को किसी स्थायी चिकित्सा केन्द्र से जागरूकता कार्यक्रम के साथ–साथ नियमित चिकित्सा उपचार प्रदान करना चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने गाढ़ी कमाई से एक भू–खंड खरीदा और एक दोमंजिला भवन बनवाया तथा 27 अगस्त, 2006 को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट 'सुजन' शुरू किया, यद्यपि उन्होंने चारल खाली, जिसे अब चंदनपुर कहा जाता है, स्थित अपने पैतृक घर से वर्ष 2000 से ही अपना काम शुरू कर दिया था। तबसे वे सभी प्रकार की दवाओं के साथ मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान किया करते थे और नियमित अंतराल पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया करते थे। नियमित रक्तदान कैम्प, कैंसर जांच और रोकथाम कैम्प, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जांच कैम्प, स्त्री रोग जांच कैम्प, नियमित टीकाकरण आदि का नियमित अंतराल पर व्यवस्था की जाती है। पक्षाघात के रोगियों के लिए एक प्रतिष्ठित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा नियमित रूप से एक साधन सम्पन्न फिजियोथेरेपी सेंटर चलाया जाता है।

4. पिछड़े समुदाय के लिए आदर्श विद्यालय के सिद्धांतों के अनुरूप वर्ष 2012 से कक्षा 1 से 8 के लिए 'सुजन' के एक नए प्रयास के रूप में एक निःशुल्क विद्यालय 'कोलाहर' चलाया जा रहा है। गरीब और मेधावी छात्रों को उनके भावी अध्ययन को जारी रखने के लिए वित्तीय सहायता और मुफ्त पुस्तकें दी जा रही हैं।

5. 'सुजन' ने पूर्वी मिदनापुर के पौशी नामक गॉव में 'अंत्योदय अनत आश्रम–अनाथालय' के निवासियों के लिए अपनी मुफ्त चिकित्सा सेवा का विस्तार करके 15 अगस्त, 2014 को अपने क्रांतिकारी कार्यों का विस्तार किया है। यह संस्था मंदारमोनी, पूर्वी मिदनापुर के अति निर्धन मछुआरों और स्थानीय निवासियों को भी नाममात्र की लागत पर चिकित्सा सेवाएं देती है।

6. वर्ष 2014 में, डॉ. मंडल को 'आनंदमठ', बिराटी द्वारा 'श्रेष्ठ मानव सेवी सम्मान' प्रदान किया गया। 2015 में ईबेला समाचार–पत्र (आनंद बाजार पत्रिका समूह) और एलआईसी द्वारा संयुक्त रूप से गरीब और बीमार लोगों की सेवा में उनके असीम योगदान के लिए उन्हें 'आमी आमार मोटो सम्मान' प्रदान किया गया। उसी वर्ष डा. मंडल को एक बंगाली टेलीविजन चैनल जी 24 घंटा द्वारा 'अनन्य सम्मान' से सम्मानित किया गया। उन्हें पूरब फाउंडेशन से 'मंजिस सरकार स्मारक पुरस्कार' भी प्राप्त हुआ। इसके अलावा, डॉ. मंडल को विभिन्न संगठनों से कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।